गणनायक विघ्न हरो देवा सुख संपत्ति दीजो आए के

गणनायक विघ्न हरो देवा,
सुख संपत्ति दीजो आए के,
गणनायक विघन हरो देवा।bd।

पार्वती के तुम हो लाला,
मैं जपता प्रभु थारी माला,
खोलो मेरे हिरदे का ताला,
मने ज्ञान बताओ आए के,
मारे गुण से हृदय भरो देवा,
गणनायक विघन हरो देवा।bd।

मात गवरजा सिया सती को,
मैं जपता कैलाशपति को,
बलवन्ते हनुमान जती को,
लायो संजीवन जाय के,
सियाराम के काल सरो देवा,
गणनायक विघन हरो देवा।bd।

रवि शशि शेष सकल गण तारा,
68 तीर्थ गंगा की धारा,
पुष्कर राज सदा है प्यारा,
नाव पड़ी मझधार में मेरी,
भव सागर पार करो देवा,
गणनायक विघन हरो देवा।bd।

मात-पिता गुरुदेव गुसाईं,
जन्म दियो गुरु ज्ञान बताई,
धन्य शिवलाल तेरा गुण गावे,
चरणों में शीश निवाई के,
मेरे सिर पर हाथ धरो देवा,
गणनायक विघन हरो देवा।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

गणनायक विघ्न हरो देवा,
सुख संपत्ति दीजो आए के,
गणनायक विघन हरो देवा।bd।

गायक – संत राजुराम जी।
प्रेषक – बलदेव गोड़ मलवा
9660578002

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com